महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
Accredited with 'A' Grade by NAAC

भाषा का फलन और कथा-भाषा विषय पर विशेष व्याख्यान

वर्धा दि. 26 मार्च 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के भाषा विद्यापीठ में भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'भाषा का फलन और कथा-भाषा' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रख्यात साहित्यकार एवं विश्वविद्यालय के आवासीय लेखक श्री मदन सोनी ने इस व्याख्यान में निर्मल वर्मा की कहानियों के माध्यम से कथा-भाषा का स्वरूप और महत्व स्पष्ट किया। उन्होंने इस संदर्भ में कहा कि कथा-भाषा की दृष्टि से निर्मल वर्मा हिंदी के एक विशिष्ट कथाकार हैं।

उनकी कथा न केवल पाठक से संवाद करती है बल्कि उसे पाठक के अनुभव और स्मृति का हिस्सा भी बना देती है। निर्मल वर्मा की भाषा केवल सौंदर्यात्मक पक्ष तक सीमित नहीं है बल्कि एक फलन है। व्याख्यान की अध्यक्षता विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर उमाशंकर उपाध्याय ने की । भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल ने सोनी एवं उपस्थितों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार दुबे ने किया। इस व्याख्यान में विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, सहायक प्रोफेसर एच. ए. हुनगुंद एवं धनजी प्रसाद उपस्थित रहे।